मध्य विद्यालय उफरैल स° मु°
पूर्णिया (बिहार)

विद्यालय की स्थापना :-

‘**मध्य विद्यालय उफरैल**’ की स्थापना **22 नवम्बर 1959 ई॰** को हुई। इस विद्यालय के लिए **माता श्यामावति जी** के द्वारा जमीन दान दिया गया। उन्ही के परिवार के एक सदस्य का विद्यालय के प्रथम प्रधानाध्यापक के रूप में नियुक्ति हुई।

1. छठी प्रधान के रूप में : -

श्रीमती अर्चना
प्रधानाध्यापिका
(राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त)

2.1 शैक्षिक गतिविधि को रोचक बनाने का प्रयास :-

कक्षा - कक्ष में शिक्षकों द्वारा शिक्षण सामग्री और गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाते है । हमारे शिक्षक कक्षा लेने से पूर्व पाठ योजना तैयार करते है साथ ही साथ प्रकरण का शिक्षण सामग्री भी तैयार करके कक्षा- में पढ़ाने जाते है। कुछ प्रकरण को खेल खेल में या अन्य गतिविधियों के माध्यम से सिखाते है, जिससे कक्षा – कक्ष का माहौल पढ़ाई के अनुकूल होता है और सभी बच्चे एकाग्र एवं रोचक तौर पर शिक्षा ग्रहण करते है।

2.2 चहक कार्यक्रम :-

विद्यालय में कक्षा प्रथम एवं द्वितीय के बच्चो को शिक्षको द्वारा खेल खेल में गतिविधि के माध्यम से पढ़ाना। साथ ही चहक कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावको का उन्मुखीकरण करना और बच्चो का विद्यालय में दाखिला करवाना भी है। चहक कार्यक्रम का उद्देश्य है - शिक्षक एवं बच्चो के बीच अपनापन जगाना ताकि बच्चे बिना किसी डर के खेल खेल में पढाई कर सके।

NBA
NBA

2.3 शिक्षण गतिविधि में खेल-कूद को जोड़ना :-

मेरे द्वारा बच्चो के सर्वांगिण विकास को देखते हुए पढ़ाई को अधिगम के साथ - साथ खेल-कूद को भी जोड़ा गया | जिससे बच्चों में सर्वांगिण विकास देखने को मिला। हमारे बच्चे जिला एवं राज्य स्तरीय खेल - कूद में अपना परचम लहरा रहे है। हमारे बच्चे हॉकी, बॉलीबाल, कबड्डी , हेण्डबॉल जैसे विभिन्न खलों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पदक प्राप्त कर चुके है। अगर शिक्षण गतिविधि की बात करे तो हमारे बच्चो का चुनाव सैनिक स्कूल एवं तैराकी प्रतियोगिताओ में भी अपना परचम लहरा रहे है। हमारे विद्यालय के दो बच्चो जिसमे कि एक लड़का एवं एक लड़की का चयन सैनिक स्कुल में हुआ है। साथ ही साथ एक बच्ची का राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में भी चुनाव हुआ है।

राज्य स्तरीय विद्यालय हॉकी (बालिका U-14/17) प्रतियो

2.4 शौचालय व्यवस्था :-

हमारे विद्यालय में छात्र, छात्रा एवं दिव्यांग बच्चों के लिए अलग- अलग शौचालय की व्यवस्था की गई है।

USE ME

ME
PLANT

USE ME

E ME
LPG PLANT

2.5 सामाजिक सहयोग लेकर विद्यालय व्यवस्था को सुदृढ एवं सुसज्जित बनाया गया :-

जब मैं विद्यालय प्रधान के रूप में इस विद्यालय में आई तो (बच्चो के अभिभावको और शिक्षकों के साथ सामूहिक बैठक) मेरा पहला प्रयास था कि समाज के साथ आपसी तालमेल स्थापित करना । विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए समाज के अलग-अलग समाजसेवी से विद्यालय में योगदान प्राप्त हुआ। जिससे की विद्यालय व्यवस्था में गति आई। हमने योगदान का उपयोग बच्चों के सर्वांगिण विकास में उपयोग किया। जिसका एक उदाहरण है कि आज हमारे विद्यालय में सुसज्जित पुस्तकालय, पेवर ब्लाक, स्मार्ट क्लास कम्प्यूटर, सिलाई मशीन की व्यवस्था है। बच्चे समय-सारणी के तहत पुस्तकालय, सिलाई मशीन में जाकर पढ़ते एवं सीखते है।

लायंस क्लब ऑफ पूर्णियाँ सेंटर
सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

2.6 विद्यालय विकास में शिक्षकों का सहयोग : –

जब मैं इस विद्यालय में प्रधान के रूप मे आई तो सर्वप्रथम मैंने शिक्षकों के साथ एक बैठक की तथा विद्यालय के विकास पर चर्चा किया। इसमें शिक्षकों का सहयोग भरपूर रहा और हमारे शिक्षक पोषक क्षेत्र में जाकर अभिभावकों से मिले तथा उनको प्रेरित किया | जिसका परिणाम यह रहा कि आज विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति शत्- प्रतिशत है | जिसके लिए मैं अपने शिक्षकों का तह दिल से आभार प्रकट करती है।

2.7 मासिक बैठक :-

बच्चों के सर्वांगिण विकास को देखते हुए समय-समय पर मासिक बैठक की जाती है, जिसमें बच्चों के अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहते है। मासिक बैठक मे बच्चों के पठन-पाठन को विशेष महत्व दिया जाता है। समय-समय पर बच्चों का मासिक मूल्यांकन शिक्षकों द्वारा करवाया जाता है।

विद्यालय शिक्षा समिति
मासिक बैठक
VSS
दिनांक - 19 - मई - 2023

पुरस्कार - 2021

2.8 बाल संसद एवं मीना मंच :-

विद्यालय के प्रबंधन में बच्चो की भूमिका को स्थापित करने के लिए बाल संसद एवं मीना मंच का गठन किया गया है , जिसके माध्यम से विद्यालय में बच्चों कि भागीदारी सुनिश्चित होती रहे |

कार्यालय

कार्यालय

बाल संसद
मध्य विद्यालय उफरैल, पूर्णिया
1. निशा सिंह प्रधान मंत्री
2. राजेश मुर्मू उप प्रधान मंत्री
3. सन्नी कुमार शिक्षा मंत्री
4. प्रियंका कुमारी शिक्षा उप मंत्री
5. कुमार स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री
6 भारती कुमारी उप स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री
7. जय आनन्द जल एवं बागवानी मंत्री
8. स्नेहा अपूर्वा जल एवं बागवानी उप मंत्री
9. विवेक कुमार पुस्तकालय एवं विज्ञान मंत्री
10. काजल कुमारी पुस्तकालय एवं विज्ञान उप मंत्री
11. चन्द्र सत्यार्थी सांस्कृतिक एवं खेल मंत्री
12. कुमारी सांस्कृतिक एवं खेल उप मंत्री

कार्यालय

कार्यालय

3° स्कूल चले अभियान :-

आँगनबाड़ी के 6 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके बच्चों को विद्यालय में दाखिला दिलाने हेतु अभियान या कार्यक्रम चलाया गया। जिसके मुख्य अतिथि के तौर पर जिला पदाधिकारी पूर्णिया, उपविकास आयुक्त पूर्णिया की उपस्थिति रही।

NATIONAL AWARD

3.1 सहेली कक्ष :-

छात्राओ की उपस्थिति बढ़ाने के लिए हमने विद्यालय में सहेली कक्ष का निर्माण करवाया इसके साथ ही सहेली कक्ष में छात्राओं की सुविधा के लिए सेनेटरी पेंड वेडिंग मशीन और डिस्पोजल मशीन की भी व्यवस्था करवाई। लड़कियो को मासिक धर्म के बारे में सही जानकारी देने के लिए शिक्षिका, दीदी छात्राओं को सलाह देती है और उन्हे पिरियड के बारे में जागरुक करती है। यहाँ नेपकीन वेंडिंग मशीन भी लगाई गई है और साथ में छात्राओ के आराम करने की भी व्यवस्था है जिससे उनकी पढ़ाई बाधित न हो सके।

सहेली कक्ष

सहेली कक्ष
एक पैड • एक पेड़
माहवारी की जानकारी बदलेगी दुनिया सारी !!
मध्य विद्यालय उफरैल
प्रखंड - पूर्णिया पूर्व, पूर्णियाँ
28 मई
माहवारी स्वच्छता दिवस
म.वि. उफरैल

3.2 स्वच्छता :- (पुरस्कार)

- हमारे सार्थक प्रयास से (मध्य विद्यालय उफरैल सदर मुख्यालय पूर्णिया) को 2021 ई° में बिहार स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

- 2022 में विद्यालय की स्वच्छता को बनाए रखने और स्वच्छता के सभी मानक पर पुन: खड़े उतरने के लिए स्वच्छता के लिए स्थायित्व पुरस्कार प्राप्त हुआ।

बिहार सरकार
शिक्षा विभाग

unicef
for every child

बिहार स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार

राज्य स्तरीय पुरस्कार 2022-23

प्रमाणित किया जाता है कि मध्य विद्यालय उफरैल, पूर्णिया यू-डायस कोड 1 0 0 9 0 4 0 0 2 0 1 ने जल, स्वच्छता एवं साफ़-सफाई (Water, Sanitation and Hygiene) के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। स्वच्छता स्थायित्व पुरस्कार श्रेणी में पाँच सितारा (★★★★★) प्राप्त कर यह विद्यालय पूरे राज्य के लिए अनुकरणीय उदाहरण है।

विद्यालय में जल, स्वच्छता और साफ़-सफाई के स्तर को बनाए रखने के लिए शुभकामनाएं।

शिवेन्द्र पाण्डेय
प्रमुख, यूनिसेफ बिहार (प्रभारी)

बी. कार्तिकेय धनजी, भा. प्र. से.
राज्य परियोजना निदेशक
बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्

≤40%	41% - 60%	61% - 75%	76% - 90%	91% - 100%
Poor★	Fair★★	Good★★★	Very Good★★★★	Excellent★★★★★

4° मध्याह्न भोजन (P.M पोषण) –

विद्यालय में प्रतिदिन मध्याह्न भोजन के अन्तर्गत अलग-अलग प्रकार का व्यंजन मिलता है। जिससे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास सुचारू रूप से हो सके ।

4.1 अन्य गतिविधि :-

हमारे विद्यालय मे समय समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसमें सभी बच्चों की भागीदारी होती है। जैसे- चित्रकला, संगीत, रंगोली प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम, पुस्तक वितरण कार्यक्रम, वृक्षारोपण आदि । साथ ही विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

पुस्तकोत्सव 2023
वितरण योजना

पुस्तकोत्सव 2023
वितरण योजना
सुस्वागतम

CHILD HELP LINE
1098
TO TEACHERS
2010

NATIONAL AWARD
TO TEACHERS
2010

CHILD HELP LINE
1098
मध्य विद्यालय उफरैल

मध्य विद्यालय उफरैल

पुस्तकोत्सव 2023

माननीय मुख्यमंत्री के समाधान यात्रा में आप सभी का स्वागत है।
शिक्षा विभाग, पूर्णिया
कोई न छूटे अबकी बार, शिक्षा है सब का अधिकार

Thank You …